

RECOMMENTATIONS

भविष्य के लिए सुझाव

यदि किसी देश का जंगल कटता है या नष्ट होता है तो उससे पूरे संसार का पर्यावरण प्रभावित होता है और भी जाता है। ऐसे पुरी दुनिया एक मुट्ठी में ले आना हैं। मनुष्य का लक्ष्य पूर्णन रूपेण से विकास है। विकास का उद्देश्य है - मनुष्य की समग्र उन्नति है।

मनुष्य की भौतिक सन्तुष्टि के साथ-साथ उसकी आत्मिक सन्तुष्टि भी हो सके, और वह अपना जीवन सुखी बनाने के साथ-साथ उसे सार्थक भी बना सके। हमारी दृष्टि में विकास एवं प्रगति का लक्ष्य है- विश्वशान्ति तथा अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना के प्रति समर्पण तथा प्रकृति - जगत के संरक्षण एवं उसके प्रति मैत्री-भाव के लिए संकल्पित मानवीय भावना का विस्तार। इस प्रकार की भावना से

मानव की मूलभूत भौतिक आवश्यकताओं एवं मानसिक आकांक्षाओं को पूरा करनेवाली एक न्यायसंगत विश्व-व्यवस्था स्थापित हो सकेगी। ऐसे पुरी दुनिया को एक मुट्ठी में बाँधना हैं। हम सब एक परिवार की तरह हैं।

भविष्य में शोध कार्य करने की संभावनाएँ

- रमेशचन्द्र शाह के उपन्यासों में “वसुधैव कुटुम्बकम्” एक अध्ययन
- रमेशचन्द्र शाह के उपन्यासों पर पाश्चात्य प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन
- रमेशचन्द्र शाह के उपन्यासों में भारत और पाश्चात्य संस्कृति - एक तुलनात्मक अध्ययन
- रमेशचन्द्र शाह के उपन्यासों में भारतीय और पाश्चात्य संस्कृति का मूल्यांकन